Total number of printed pages–8

14 (HIN-4) 4055

2022

HINDI

Paper : HIN–4055

(Hindi Krishna Kavya)

(हिन्दी कृष्ण काव्य)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. सही विकल्प का चयन करके निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : $1 \times 10 = 10$

(क) उद्धव श्रीकृष्ण का कौन-सा संदेश लेकर ब्रजभूमि आए थे?

(i) प्रेम संदेश

(ii) अनुराग संदेश

Contd.

(iii) यागे संदेश

(iv) इनमें से कोई भी नहीं

(ख) कृष्ण की संगति में रहकर भी कौन उनके प्रेम से अछूते रहे है ?

(i) उद्धव

(ii) गोपियाँ

(iii) राधा

(iv) ललिता

(ग) किसने प्रेम की मर्यादा का उल्लंघन किया है ?

(i) गोपियों ने

(ii) उद्धव ने

(iii) राजा ने

(iv) कृष्ण ने

(घ) गोपियाँ किस आशा में तन-मन की व्यथा सहन कर रही थी ?

(i) उद्धव से संदेश सुनने की

(ii) कृष्ण के आगमन की

(iii) उद्धव के आने की

(iv) योग संदेश प्राप्त करने की

(ङ) "मण थें परस हरि रे जरण" – मीराँ के अनुसार हरि के चरणों की विशेषता है –

(i) वे कोमल हैं

(ii) वे अति सुन्दर हैं

(iii) वे अविनाशी हैं

(iv) वे शरणागत के रक्षक हैं

(च) "अधर सुधा रस मुरली राजाँ" – इसमें सुधा का अर्थ है –

(i) धरती

(ii) अमृत

(iii) दूध

(iv) मिठास

(छ) मीराँबाई की पदावली की भाषा है –

(i) संस्कृत-मिश्रित ब्रजभाषा

(ii) राजस्थानी-मिश्रित ब्रजभाषा

(iii) लोक व्यवहार की ब्रजभाषा

(iv) साहित्यिक ब्रजभाषा

(ज) "कान्ह-दूत कैंधौं ब्रह्म-दूत ह्वै पधारे आप" – गोपियों द्वारा उद्धव को 'ब्रह्म-दूत' कहने का कारण –

(i) उद्धव ने गोपियों से स्वयं को ब्रह्म-दूत कहा था

(ii) उद्धव गोपियों के समक्ष ब्रह्म की चर्चा ही कर रहे थे

(iii) श्रीकृष्ण ने उन्हें ब्रह्म-दूत के रूप में ब्रजधाम में भेजा था

(iv) श्रीकृष्ण ने उन्हें कृष्ण-दूत कहने से मना किया था

(झ) "ऊधौ हाय हमकौ बयारि भखिबौ कहौ"– पंक्ति में उद्धव ने गोपियों से उपदेश दिया है –

(i) प्राणायाम साधना का

(ii) भोजन छोड़ देने का

(iii) अधिक भोजन करने का

(iv) केवल वायु भक्षण करने का

(ञ) 'उद्धव शतक' की रचना किस भाषा में हुई है ?

(i) खड़ीबोली-मिश्रित ब्रजभाषा

(ii) लोक प्रचलित ब्रजभाषा

(iii) साहित्यिक ब्रजभाषा

(iv) संस्कृत-मिश्रित ब्रजभाषा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×7=14

(क) सूरदास-रचित पदों के आधार पर, गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना किनसे की है, उसके *कोई दो* उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(ख) उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश को ने गोपियों ने क्यों स्वीकार नहीं कि।

(ग) ''ऊधौ बधिक ब्याध ह्वै आए, मृग सम क्यौं न पलात।'' — सूर के इस कथन का तात्पर्य क्या है ?

(घ) ''गयाँ कुमत लयाँ साधाँ संगत स्याम प्रीत जग साँची।'' — मीराँबाई के इस कथन का आशय क्या है ?

(ङ) मीराँबाई की काव्य-भाषा की *किन्हीं* दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(च) ''सुनि सुनि ऊधव की अकथ कहानी कान''— गोपियों पर उद्धव की कथा का क्या प्रभाव पड़ा ?

(छ) ''ऊधौ कहौ सूधौ सौ सनेस पहिले तौ यह''— गोपियाँ उद्धव से पहले कौन-सा संदेश सुनना चाहती है ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार प्रकट किया, सूर के पठित पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) ''उद्धव गोपियों के पास जिस उद्देश्य से आए थे उसमें वे सफल न हो सके।''— इस कथन पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

(ग) 'उद्धव शतक' में गोपियाँ उद्धव के निर्गुण ब्रह्म की उपासना के उपदेश को क्यों अस्वीकार करती है ? संक्षेप में आलोकपात कीजिए।

(घ) ''एक मनमोहन तौ बसिकै उजारयौ मोहिं, हिय मैं अनेक मनमोहन बसावौ ना॥''— गोपियाँ उद्धव से मन में अनेक मनमोहन न बसाने की बात क्यों करती है ?

4. ***किसी एक*** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10

(क) बस्याँ म्हारे णेणण माँ नंदलाल ॥
मोर मुगुट मकराक्रत कुण्डल अरुण तिलक सोहाँ भाल।
मोहन मूरत साँवराँ सूरत णेणा वण्या विशाल।
अधर सुधा रस मुरली राजाँ उर बैजन्ती माल।
मीराँ प्रभु संताँ सुखदायाँ भगत बछल गोपाल॥

(ख) कहै रतनाकर असीम रावरी तौ क्षमा
क्षमता कहाँ लौं अपराध की हमारी हैं॥
दीजै और ताड़न सबै जो मन भावै पर
कीजै न दरस-रस बंचित बिचारी हैं।
भली हैं बुरी हैं और सलज्ज निरलज्ज हू हैं॥
जो कहै सौ हैं पै परिचारिका तिहारी हैं॥

Contd

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) कृष्णकाव्य-परम्परा में महाकवि सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

(ख) सूरदास-रचित 'उद्धव संदेश' के पदों के आधार पर उद्धव के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(ग) मीराँबाई की भक्ति-भावना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(घ) भ्रमरगीत-परम्परा में 'उद्धव शतक' का स्थान निर्धारित कीजिए।